दैनिक जागरण 01/02/2026

विकसित भारत, मजबूत राष्ट्र निर्माण का संकल्प : सैनी

अंबाला (विज्ञप्ति) : गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) कालेज अंबाला कैंट के स्नातकोत्तर एवं शोध विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय बहु विषयक संगोष्ठी विकसित भारत 2047 के लिए सामाजिक-सांस्कृतिक एवं आर्थिक मार्गों का अनावरण समावेशी और सतत राष्ट्र-निर्माण की रणनीतियां का द्वितीय एवं समापन दिवस गहन अकादमिक विमर्श, शोध प्रस्तुतियों और विशेषज्ञ संवाद के साथ संपन्न हुआ। यह संगोष्ठी भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित रही, जिसमें देश के विभिन्न भागों से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने संगोष्ठी के समग्र अकादमिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय स्तर के अकादमिक मंच उच्च शिक्षण संस्थानों को नीति-निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जीएमएन कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी को सबोधित करते वक्ता • विज्ञप्ति

जीएमएन कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान अतिथि को सम्मानित करते हुए। • विज्ञप्ति

डा. राकेश कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय व विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन विभाग ने विकसित भारत 2047 की यात्रा में शिक्षा, शासन और स्थायी विकास को मजबूत करने में तकनीकी नवाचार की भूमिका पर जोर दिया गया। डा. वंदना गर्ग महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी ने शिक्षा, मानव संसाधन विकास तथा सामाजिक न्याय से जुड़े समकालीन मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। डा. राजेश कुमार शुक्ला ने कार्बन क्रेडिट तंत्र पर अपने विशेष व्याख्यान में बताया कि कार्बन ट्रेडिंग सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रभावी नीति उपकरण के रूप में उभर रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक संतुलन स्थापित करने में सहायक है।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. रामपाल सैनी कुलपति चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद ने कहा कि शोध कार्य का वास्तविक मूल्य तभी स्थापित होता है जब उसका प्रत्यक्ष सामाजिक प्रभाव और नीति-निर्माण में उपयोग सुनिश्चित हो। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए तथा सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान कर अकादमिक उत्कृष्टता को सम्मानित किया गया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन डा. चंद्रपाल पूनिया द्वारा किया गया तथा समन्वयक के रूप में डा. नेहा अग्रवाल ने आयोजन की समस्त गतिविधियों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का औपचारिक समापन धन्यवाद ज्ञापन डा. केके पुनिया द्वारा किया गया।